Guidelines have been approved by the Board of Governors. It has not been found necessary to frame a separate set of operational details.

(b) Does not arise.

वन अनुसंधान संस्थान देहरादून में अनुसंधान के फलितार्थ

2356. **श्री मैत्रै पदमनाभम** : क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में अनुसंधान के फलितार्थ का कोई आकलन किया है ;

(ख) क्या यह सच है कि इस संस्थान में इस प्रकार के अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के समकक्ष मान्यता प्राप्त संस्थानों जैसा कोई भी उल्लेखनीय अनुसंधान नहीं किया जा रहा है ;

(ग) गत पांच वर्षों के दौरान प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित होने वाले अनुसंधान पत्रों का ब्यौरा क्या है और ऊष्णकटिबंधी वनों पर किये गये उल्लेखनीय कार्य का ब्यौरा क्या है ;

(घ) वन अनुसंधान संस्थान के पुनर्संचन और उसके कार्य में तेजी लाने के लिये सरकार क्या कदम उठाने का विचार रखती है ;

(ङ) वन अनुसंधान संस्थान के लिये निर्धारित निधियों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने के लिये क्या कदम उठाये जा रहे हैं; और

(च) क्या यह सच है कि वन अनुसंधान संस्थान में भवनों इत्यादि का रख-रखाव समुचित तरीके से नहीं किया जा रहा है ?

पर्यावरण और वन मंत्री (श्री नीलमणि राउतराय) : (क) वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून के कार्यों का विभिन्न सरकारी समितियों द्वारा अतीत में मूल्यांकन किया गया है ।

(ख), (घ) और (ङ) वानिकी अनुसंधान और शिक्षा को 1986 में मान्यता दी गई । भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद के अधीन छः वानिकी अनुसंधान संस्थान खोले गये हैं । प्रत्येक संस्थान को विशिष्ट विषय क्षेत्र में अनुसंधान करने का कार्य सौंपा गया है । वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून को हिमालयीय और कछारी वनों, जल संभरों, अल्पीय चरागाहों और शीत मरूस्थल क्षेत्रों की समस्याओं, वानिकी कार्यों और वानिकी के सामाजिक आर्थिक पहलुओं के बारे में मौलिक और संबंधित अनुसंधान का कार्य सौंपा गया है । इसके अनुसंधान की गुणवत्ता अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति के अनुसंधान संस्थानों के द्वारा किए गये अनुसंधानों के बराबर मानी जाती है ।

(ग) पिछले पांच वर्षों के दौरान अगणय अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 730 अनुसंधान पत्रक प्रकाशित हो चुके हैं । इनके विषय वनवर्धन, आनुवंशिकी, वनस्पति विज्ञान, पौध शरीर विज्ञान, संपर्धन सर्वेक्षण और प्रबंध, वन अर्थव्यवस्था, क्षेत्रमिती, सामाजिक वानिकी, वन उत्पाद, वन संचालन, वन सुरक्षा, रोग विज्ञान और इमारती लकड़ी की इंजीनियरी से संबंधित हैं ।

उष्ण कटिबन्धीय वनों के संबंध में अनेक अनुसंधान कार्य शुरू किये गये हैं और वे वन वर्धन, प्रबंध, पारिस्थितिकी स्थल-प्रजातियों के संबंध, वृक्षों के सुधार, लघु वन उत्पाद, सुरक्षा, वन संचालन, वन उत्पाद और उपयोग से संबंधित है ।

(च) वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून के भवन का रख-रखाव इस प्रयोजनता के लिये आवंटित निधि में से किया जाता है ।